Illegal Labour Practice Adopted by TISCO in Hazaribagh, Bihar

2087. SHRI A. K. ROY: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether Government are aware of illegal labour practices adopted by the TISCO through its contractor, Engineering Construction Corporation at West Bokaro Colliery under it in Hazaribagh, Bihar;

(b) whether it is a fact that there is no record register maintained by the Engineering Construction Corporation and the TISCO as the principal employer signs on forged register of payment creating black money;

(c) whether recently there was great unrest on that account; and

(d) whether Government propose to make a thorough probe into the matter?

THE MINISTER OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND STEEL AND MINES (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) and (b) No such irregularity has come to the notice of the Government.

(c) and (d) Do not arise.

वनस्पति घी के मूल्यों का तुलनात्मक विवरण

2088. **श्री कृष्ण कुमार गोयल :** क्या **वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी, 1978 से फरवरी, 1980 तक की अवधि के दौरान प्रचलित वनस्पति घी के मूल्यों का, महीनेवार, तुलनात्मक विवरण क्या है ;

(ख) उक्त अवधि के दौरान वनस्पति उत्पादन संयंत्रों को आयातित तेल किस दर पर सप्लाई किया गया था और उनकी कुल मांग कितने प्रतिशत पूरी की गई; और

(ग) जनवरी, 1978 के बाद वनस्पति के मूल्य निर्धारित करने में क्या नीति अपनाई गई ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और इस्पात तथा खान मंत्री (श्री प्रणब मुखर्जी) :

(क) जनवरी, 1978 से फरवरी, 1980 के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित वनस्पति के कारखाना-मूल्यों का माहवार विवरण अनुबंध-1 में दिया गया है ।

(ख) उसी अवधि के दौरान वनस्पति उत्पादक संयंत्रों को सप्लाई किये गये आयातित तेलों की दरों का ब्यौरा अनुबंध-2 में दिया गया है ।

उसी अवधि के दौरान इस उद्योग द्वारा वनस्पति-उत्पादन के लिए वास्तव में प्रयुक्त किए गए कुल खाद्य तेलो में आयातित तेलों का प्रतिशत अनुबंध-3 मे दिया गया है ।

(ग) जनवरी, 1978 से फरवरी, 1979 के दौरान वनस्पति उद्योग ने स्वैच्छिक मूल्य नियंत्रण लागू किया था और इस प्रकार इस अवधि के दौरान विभिन्न क्षेत्रो मे वनस्पति के 16.5 कि० ग्राम के प्रति मानक टिन का कारखाना-मूल्य कमोबेश 140 रु० ही बनाये रखा गया । विभिन्न आदानों की लागत बढ़ जाने से मार्च, 1979 से उद्योग द्वारा इस नियंत्रण को समाप्त कर दिया गया । सितम्बर-अक्तूबर, 1979 में लगभग छ सप्ताह की संक्षिप्त अवधि के अलावा, जबकि त्यौहारों के मौसम के दौरान उद्योग उसी प्रकार के नियंत्रण का पालन करने को सहमत हो गया था, वनस्पति के मूल्य संबंधित मंडियों में विद्यमान स्थितियों के अनुसार ही निर्धारित होते रहे हैं । सरकार के प्रयासों के बावजूद उद्योग अब किसी भी प्रकार के स्वैच्छिक मूल्य-नियंत्रण को फिर से स्वीकार करने का इच्छुक नहीं है ।